PK for lateral entry of experts in governance

OUR CORRESPONDENT

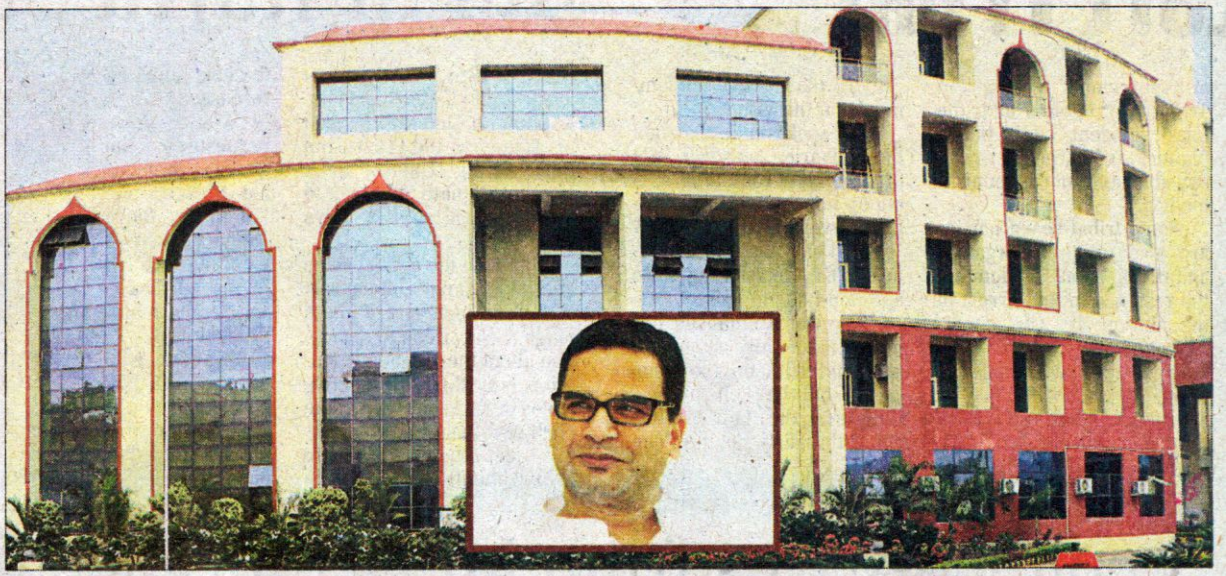

PATNA: Chandragupta Institute of Management Patna (CIMP) today organized a Talk Show with India's renowned political strategist Prashant Kishor who interacted with Saurabh Dwivedi, Editor of the online portal The Lallantop on the theme "Youth in Politics".

In his one-and-a-half-hour talk show, Prashant Kishor answered and addressed a wide spectrum of issues related to the need for participation of the youth in politics and electoral management. He also dealt with contemporary political issues and perspectives, etc. Citing data since the first Lok Sabha, he expressed concern over the decline in the number of youths in the Lok Sabha and rise in the number of elderly and advocated the urgent need for participation of the youth in Politics. Quoting Plato, he said that we ourselves are responsible for the decline in quality of politics at large. Disagreeing with the adage that people in India don't cast their vote, rather they vote their caste; he emphatically said that personalities, issues, narratives, etc. have seen people casting vote rising above the caste lines.

He further cited the instances of a clean sweep by Rajiv Gandhi, V P Singh, and Narenda Modi in the Lok Sabha elections of 1984, 1989 and 2014 respectively to substantiate his point. Responding to a query, Prashant Kishor strongly advocated the lateral entry of professionals in the governance to make it more effective and cited the examples of professionals like Dr. Verghese Kurien (White Revolution), Dr. M S Swaminathan (Green Revolution), Dr. Sam Pitroda (IT Revolution), Dr. Abdul Kalam (Missile Man), Vikram Sarabhai (Space Technology), Nandan Nilekani (Aadhaar) who revolutionized the domain they were allowed lateral entry in.

A candid Prashant Kishore also dealt about his equally good relations with various leaders across the political spectrum from Amit Shah to Nitish Kumar, Laloo Yadav to Mamta Banerjee, RaGa to Arvind Kejriwal and Uddhav Thackery to Chandra Babu Naidu and Jagan Reddy. He further talked about his 10-year vision plan to mobilize the youth for participation in politics. After the interview, he also fielded questions from the audience which mainly comprised of Post Graduate and Doctoral students from reputed national institutes of the city such as CIMP, CNLU, NIFT and the like.

Morning India ! Page No - 03 ! Date - 13-02-19

शासन में प्रोफेशनल की लेटरल एंट्री की अनुमति दें

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना, सीआईआईएमपी में एक टॉक शो का आयोजन किया जिसमें भारत के प्रसिद्ध राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ यूथ इन पॉलिटिक्स थीम पर पत्रकार सौरभ

द्विवेदी ने बातचीत की। अपने 75 मिनट के टॉक शो में, श्री किशोर ने सवालो के एक विस्तृत स्पेक्ट्रम का जवाब दिया और राजनीति तथा चुनावी प्रबंधन में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता से संबंधित मुद्दे पर संबोधित किया। उन्होंने समकालीन राजनीतिक मुद्दों और दृष्टिकोणों पर भी चर्चा की। आजादी के बाद की पहली लोकसभा के डेटा का हवाला देते हुए उन्होंने लोकसभा में युवाओं की संख्या में गिरावट और बुजुर्गों की संख्या में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और राजनीति में युवाओं की भागीदारी की तत्काल आवश्यकता की वकालत की। प्लेटो का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर राजनीति में गुणवत्ता की गिरावट के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं। इस बात से असहमती जताते हुए कि भारत में लोग अपना वोट नहीं डालते हैं, बल्कि वे अपनी जाति को वोट देते हैंए उन्होंने दृढ़ता से कहा कि व्यक्तित्व, मुद्दों, कथाओं आदि के आधार पर लोगों को जातिगत पंक्तियों से ऊपर उठकर भी वोट डालते देखा गया है। उन्होंने 1984, 1989 और 2014 के लोकसभा चुनाव में क्रमशः राजीव गांधी, वी पी सिंह, और नरेंद मोदी द्वारा क्लीन स्वीप के उदाहरणों का हवाला दिया और अपनी बात को पुख्ता किया।

Aaj ! Page No - 08 ! Date - 13-02-19

आर्थिक असमानता में आयेगी कमी

शिक्षा में सबसे ज्यादा खर्च होने से बहुत लाभ मिल सकता है. राज्य सरकार द्वारा शिक्षा में खर्च को लेकर किया गया प्रावधान एक्सिलेंट कहा जा सकता है. राज्य में अगर शिक्षा की दर बढ़ती है तो इससे समाज की सोच बदलेगी. समाज का सोच बदलना ही किसी भी राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर सकता है. शिक्षा में वृद्धि से इकोनॉमिक असमानता में भी कमी होगी. शिक्षा में क्वालिटी पर भी ध्यान देने की जरूरत है.

- प्रो वी. मुकुंद दास, निदेशक, सीआइएमपी

Prabhat Khabar Life ! Page No - 01 ! Date - 13-02-19

टॉक शो

रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने लिया हिस्सा

राजनीति में बढ़नी चाहिए युवाओं की भागीदारी

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

अगर लोकसभा के डेटा पर ध्यान दिया जाये तो वहां पहुंचे युवाओं की संख्या में गिरावट और बुजुर्गों की संख्या में वृद्धि चिंता की लकीर खीचती है. राजनीति में युवाओं की भागीदारी की तत्काल आवश्यकता की जरूरत है. यह बात प्रसिद्ध रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सोमवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में एक ऑनलाइन मीडिया पोर्टल की तरफ से आयोजित टॉक शो यूथ इन पॉलिटिक्स में हिस्सा लेते हुए कही. प्लेटो का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर राजनीति में गुणवत्ता की गिरावट के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं.

कई बिंदुओं पर की बातें : प्रशांत किशोर ने कई सवालों का एक साथ जवाब दिया और राजनीति तथा चुनावी प्रबंधन में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता से संबंधित मुद्दे पर छात्रों को संबोधित किया. उन्होंने समकालीन राजनीतिक मुद्दों और दृष्टिकोणों पर भी चर्चा की. उन्होंने दृढ़ता से कहा कि व्यक्तित्व, मुद्दों, कथाओं आदि के आधार पर लोगों को जातिगत पंक्तियों से ऊपर उठ कर भी वोट डालते देखा गया है. 1984, 1989 और 2014 के लोकसभा चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने राजीव गांधी, वीपी सिंह और नरेंद मोदी द्वारा क्लीन स्वीप के उदाहरणों को सामने रखा. एक प्रश्न के उत्तर में प्रशांत किशोर ने गवर्नेंस को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पेशेवरों के लेटरल एंट्री की पुरजोर वकालत की.

देश के लिए कई लोग कर चुके हैं बेहतर कार्य

प्रशांत किशोर ने डॉ वर्गीस कुरियन (श्वेत क्रांति), डॉ एमएस स्वामीनाथन (हरित क्रांति), डॉ सैम पित्रोदा (आइटी क्रांति), डॉ अब्दुल कलाम (मिसाइल मैन), विक्रम साराभाई (अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी), नंदन नीलेकणी (आधार) जैसे पेशेवरों के उदाहरणों का हवाला दिया . जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में क्रांति ला दी . प्रशांत किशोर ने विभिन्न नेताओं के साथ अपने समान रूप से अच्छे संबंधों के बारे में भी बताया जिनमें अमित शाह से लेकर नीतीश कुमार, लालू यादव से लेकर ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे से लेकर चंद्र बाबू नायडु, जगन रेड्डी और राहुल गांधी तक शामिल है . प्रशांत किशोर ने राजनीति में भागीदारी के लिए युवाओं को जोड़ने के लिए 10 वर्षीय योजना के बारे में भी बात की . शो के बाद उन्होंने श्रोताओं के सवालों के जवाब भी दिये . आयोजन में सीआइएमपी के अलावा सीएनएलयू व निफ्ट के छात्र-छात्राएं भी शामिल थे .

Prabhat Khabar Life ! Page No- 02 ! Date - 13-02-19

शासन में दी जानी चाहिए प्रोफेशनल को लेटरल इंट्री : प्रशांत किशोर

सीआईएमपी में आयोजित टॉक शो में कहा, इससे गवर्नेंस को बनाया जा सकेगा और ज्यादा प्रभावी

राजनीति में युवाओं की भागीदारी की तत्काल जरूरत पर भी दिया जोर

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) ने सोमवार को एक टॉक शो का आयोजन किया जिसमें देश के प्रसिद्ध राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ 'यूथ इन पॉलिटिक्स' थीम पर ऑनलाइन पोर्टल द लल्लन टॉप के संपादक सौरभ द्विवेदी ने बातचीत की। 75 मिनट के इस टॉक शो में प्रशांत किशोर ने सवालों के एक विस्तृत स्पेक्ट्रम का जवाब दिया और राजनीति तथा चुनावी प्रबंधन में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता से संबंधित मुद्दे पर संबोधित किया। उन्होंने समकालीन राजनीतिक मुद्दों और दृष्टिकोणों पर भी चर्चा की।

प्रशांत किशोर

आजादी के बाद की पहली लोकसभा के डेटा का हवाला देते हुए उन्होंने लोकसभा में युवाओं की संख्या में गिरावट और बुजुर्गों की संख्या में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और राजनीति में युवाओं की भागीदारी की तत्काल आवश्यकता की वकालत की। प्लेटो का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर राजनीति में गुणवत्ता की गिरावट के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि व्यक्तित्व, मुद्दों, कथाओं के आधार पर लोगों को जातिगत पंक्तियों से ऊपर उठकर भी वोट डालते देखा गया है। उन्होंने 1984, 1989 और 2014 के लोकसभा चुनाव में राजीव गांधी, वीपी सिंह और नरेंद्र मोदी द्वारा क्लीन स्वीप के उदाहरणों का हवाला दिया और अपनी बात को पुख्ता किया। एक प्रश्न के उत्तर में प्रशांत किशोर ने गवर्नेंस को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शासन में पेशेवरों की लेटरल इंट्री की पुरजोर वकालत की।

प्रशांत किशोर ने डॉ. वर्गीस कुरियन (श्वेत क्रांति), डॉ. एमएस स्वामीनाथन (हरित क्रांति), डॉ. सैम पित्रोदा (आईटी क्रांति), डॉ. अब्दुल कलाम (मिसाइल मैन), विक्रम साराभाई (अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी), नंदन नीलेकणी (आधार) जैसे पेशेवरों के उदाहरणों का हवाला दिया जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में क्रांति ला दी। एक स्पष्टवादी की तरह प्रशांत किशोर ने विभिन्न नेताओं के साथ अपने समान रूप से अच्छे संबंधों के बारे में भी बताया जिनमें अमित शाह से लेकर नीतीश कुमार, लालू यादव से लेकर ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे से लेकर चंद्र बाबू नायडू, जगन रेड्डी और राहुल गांधी तक सभी शामिल हैं। उन्होंने राजनीति में भागीदारी के लिए युवाओं को जोड़ने के लिए उनकी 10 वर्षीय योजना के बारे में भी बात की। साक्षात्कार के बाद, उन्होंने श्रोताओं से सवाल-जवाब भी किये जिसमें मुख्य रूप से शहर के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों जैसे कि चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी), चाणक्य यूनिवर्सिटी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट के छात्र और छात्राएं शामिल थे।

Rastiye Sahara ! Page No -03 ! Date -13-02-19